

प्राप्ता पारगा

EXTRAORDINARY

भाग **U**—खण्ड 3—उपलण्ड (11)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं 209

नई विस्सी, बहरपतिबार, जून 4, 1970/ज्येष्ठ 14, 1892

No. 209]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 4, 1970/JYAISTHA 14, 1892

इस भाग में भिन्न पष्ठ मह्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th June 1970

S.O. 2065.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act. 1963 (22 of 1963), it is necessary or expedient to amend the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 1616, dated the 7th May, 1968 in the manner specified below for the development of the export trade of India, and has forwarded the proposals in that behalf to the export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964:

Now, therefore, in musuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within thirty days of the date of publication of this notification to the Export Inspection Council, "World, Trade Centre", 14/1-B. Ezra Street (7th floor), Calcutta-1.

Proposals

The notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1616, dated the 7th May, 1968 shall be amended as follows, namely:—

In the Annexure to the said notification—

- (i) Under the heading "A. Specification for refills", for clause 6, the following clause shall be substituted, namely:—-
 - "6. The heat retention capacity shall be tested as follows: --

The temperature of water heated to 95°C and when kept in refills shall not be less than those indicated below:—

| | Types of refili | Temperature attained not less than | | After five hours test, | | |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------|------------------------------------|------------------------------|--|--|
| | | After one hour test | After twenty-four hours test | alternative to column (2) | | |
| | | (1) | (2) | (3) | | |
| (1) | Narrow mouth of nominal capacity not less than \(\frac{1}{2} \) litre (internal mouth diameter upto 45 mm) | 91°C | 50"C | 78°C | | |
| (2) | Wide mouth of nominal capacity of I litre and above (internal mouth diameter above 45 mm. but below 50 mm. | 91°C | 42° C | 71°C | | |
| (3) | Other types | As declared by the exporters."; | | | | |

- (ii) Under the heading "B. Specification for the other components of vacuum flasks",
 - (a) for clause 3, the following clause shall be substituted, namely:—
 - "3. The thickness of the tin-plate shall in no case be less than 0.27 mm.";
 - (b) for sub-clause (1) of clause 4, the following sub-clause shall be substituted, namely:—
 - "(1) The ring and bottom, if made out of tin, shall be lacquered on both sides, and the body shall be lacquered inside only, to protect against corrosion."; and
 - (c) in clause 6, sub-clause (2) and the brackets and figure "(1)" in subclause (1) shall be omitted.

[No. 60(40)/Exp. Insp./67.] A. C. BANERJEE, Jt. Secy.

विदेशी व्यापार मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 4जन, 1970

का० गा० 2065.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि निर्यात (गुण नियन्त्रण भौर निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मन्द्रालय की श्रिधसूचना सं० का० आ० 1616, तारीख 7 मई, 1968 को भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए, नीचे विनिर्दिष्ट रीति में संशोधित करना आवश्यक या समीचीन है भौर उसने इस निमित्त प्रस्थापनार्थ निर्यात निरीक्षण परिषद् को, निर्यात (गुण नियन्त्रण भौर निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) द्वारा यथा श्रीक्षित, भेज दी है;

मतः ग्रव, उक्त उपनियम का श्रनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्थापनाम्नों की, भनता की, जिसका उनके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाधित करनीहै। 2. एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति जो उक्त प्रस्थापनाम्नों के बारे में कोई भ्राक्षेप या सुझाव भेजना चाहे, उसे इस श्रीधसूचना के प्रकाशन की तारीख के तीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद्, "वैल्कें ट्रेड सेन्टर", 141-बी, इजरा स्ट्रीट (7वीं मंजिला), कलकत्ता-1, को भेज सकता है।

त्र**स्था**पनाएं

भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मन्त्रालय की ग्रिधसूचना सं० का० ग्रा० 1616, तारीख 7 मई, 1968 निम्नलिखित रूप में संशोधित की जाएगी, ग्रथति उक्त ग्रिधसूचना के उपावत्ध में---

(1) "क", रीफ्लों के लिए विनिर्देश णीर्षक के नीचे खण्ड 6 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रथति :---

"७ ताप प्रतिधारण सामर्थ्य का परीक्षण निम्नलिखिन प्रकार से किया जाएगा :---

950 सेंटीग्रेंड तक गरम किया हुआ जल श्रीर जब वह रीफिलो में रखा जाए तब उसका तापमान उन तापमानों से कम नहीं होगा जो नीचे उपर्दाशत हैं:---

| रीफ्ल का प्रकार | प्राप्त तापमान निम्नलिखित से श्रन्यून | | पांच घंटे के परीक्षण के पश्चात् स्तम्भ (2) का | |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------|------------|--------------------------------------------------|----------------|
| | एक घंटे के परीक्षण के पश्चात् | के परीक्षण | અર્ | ुकरण |
| 1 | 2 | 3 | | 4 |
| (1) 1/2 लीटर से ऋन्यून उपवर्शित धारिता वाला तंग मुख (ग्रान्तरिक मुख व्यास 45 मिलीमीटर तक) | 91° सेंटीग्रेड | 50° | संटीग्रेड | 78° सेंटीमेड |
| (2) 1 लीटर घौर उससे अधिक उपदर्शित धारिता वाला चौड़ा मुख (ब्रान्तरिक मुख व्यास 45 मिलीमीटर से अधिक किन्तु 50 मिली- मीटर से कम 1) | 91 [°] सेंटीग्रेड | 42° | सटीग्रेड | 71° सेंटीग्रेड |
| (3) श्रन्य प्रकार⊸-नियनिकर्ता द्वारा य | था घोषित | | | |

- (2) "ख निर्मात पलास्कों के अन्य संकटकों के लिए विनिर्देण" शीर्षक के नीचे,
 - (क) खण्ड 3 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रयात्:--"3. टीन प्लॅट की मोटाई किमी भी दशा में 0.27 मिलीमीटर से कम नहीं

होगी।";

- (ख) खण्ड 4 के उपसण्ड (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपखण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:---
 - "(1) संचारण में बचाने के लिए रिंग और पेंदा, यदि टीन का बना हो तो दोनों तरफ में लेकर किया हुआ होगा और बाडी केवल भीतर की तरफ लकर की हुई होगी; और
- (ग) खण्ड 6 में उप-खण्ड (2) भीर कोष्ठक तथा ,उप-खण्ड (1) में ग्रंक (1) लुप्त कर दिए जाएंगे।

[मं० 60 (40)/एक्स० इन्स्पे०/67] ए० मी० बनर्जी, संयुक्त सचिव ।